impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 12-Sep-2008 Edition : Delhi Page No.: 3 Page Name: n.a. Size: 221.59 sq. cm

Sector: Others Circulation: 135000 AVE: Rs.33238.88 Frequency: Daily

Publication: Dainik Bhaskar Title: Video Game Market and Affects both are Bigger

भारत का सबसे तेज बढ़ता अखबार
दैनिक भास्कर

12 सितंबर नेशनल वीडियो गेम्स डे पर विशेष

वीडयो गेम का बाजार और असर दोनों ही बड़ा

एजेंसी. नई दिल्ली

दिनो दिन बच्चों और किशोरें में लोकप्रियता के नए मुकाम हासिल कर रहे वीडियो गेम के असर को लेकर विशेषज्ञ विभाजित हैं, लेकिन कारोबारियों को इसमें अच्छा व्यापार दिख रहा है।

मैक्स हेल्थ केयर अस्पताल के मनोचिकित्सक डा समीर पारिख ने पश्चिमी देशों में मनाए जाने वाले नेशनल वीडियो गेम्स डे की पूर्व संध्या पर कहा कि हिंसा को बढ़ावा देने वाले वीडियो गेम बच्चों पर बहुत बुरा असर डाल रहे हैं और बच्चे इससे ग्लैमराइज्ड (चमत्कृत) हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे आक्रामकता को जीवन का हिस्सा बना लेते हैं और इन बच्चों के समाज से कट जाने का खतरा बढ़ जाता है।

वीडियो गेम के फायदे भी

दूसरी ओर विमहंस अस्पताल की परामर्शक मनोचिकित्सक श्वेता शर्मा ने भी स्वीकार किया कि वीडियो गेम बच्चों में भटकाव पैदा करते हैं लेकिन इसके सकारात्मक असर भी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बीमारियों को दूर करने में वीडियो गेम रामबाण साबित हो सकते हैं। शर्मा ने कहा कि शोधों से साबित हुआ है कि जिन बच्चों में ध्यान केंद्रित करने में समस्या आती है उन्हें विशेष तौर पर कंप्यूटर या अन्य सिमुलेटेट गेम से ध्यान केंद्रित करने में बहुत सहायता मिलती है।

इसके उलट पारिख वीडियो गेम के सकारात्मक असर को मानने से इंकार करते हैं और उनका सुझाव है कि बच्चों को इसकी बुराइयों से बचाने के लिए जरूरी है कि उनके माता पिता उनके साथ बैठें और देखें कि बच्चे कौन सा गेम खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अभिभावकों को बच्चों को डिग्लैमराइज करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते वीडियो गेम के चलन को देखते हुए स्कूलों में सामूहिक परिचर्चाओं का आयोजन किया जाना चाहिए और उसमें भी यही बातें बच्चों को बताई जानी चाहिए।

दिल की धड़कन हो जाती है तेज

पिछले दिनों सामने आए एक अनुसंधान में भी दावा किया गया था कि सक्रिय (एक्टिव) वीडियो गेम खेलने वाले बच्चों 'की दिल की धड़कन तेज हो जाती है और सामान्य वीडियो गेम (पैसिव वीडियो गेम) खेलने वाले बच्चों के मुकाबले उनमें

कैलोरी का दहन चार गुना ज्यादा होता है। दक्षिण दिल्ली में वीडियो गेम्स पार्लर चलाने वाले संदीप टोकस ने बताया कि उनकी दुकान में आम तौर पर बच्चों की भीड़ लगी रहती है और शाम या छुट्टियों के दिन तो ऐसी स्थिति हो जाती है कि बच्चे अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। उन्होंने बताया कि आम तौर पर बच्चे कंसोल पर मुक्केबाजी, गोलीबारी या फिर कार रेसिंग जैसे गेम खेलते हैं।

कुछ वर्षों में भारत में बढ़ेगा बाजार

वीडियो गेम के कारोबार से जुड़े लोगों का मानना है कि भारत में अभी वीडियो गेम का बाजार बहुत बड़ा नहीं है लेकिन अगले कुछ सालों में इसमें खासी बढोत्तरी की संभावना है। एक आकलन के मुताबिक 2010 तक विश्व वीडियो गेम बाजार 46.5 अरब डालर का होगा जिसमें भारत का हिस्सा 70 करोड़ डालर का रहने की संभावना है। भारतीय बाजार पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की निगाह है और माइक्रोसाफ्ट ने दो साल पहले सितंबर में अपना एक्सबाक्स 360 भारत में उतारा जिसे अच्छी कामयाबी मिली है।

© Dainik Bhaskar www.bhaskar.com